देशभक्ति पर निबंध

विविधता में एकता

प्रस्तावना ⇒ हमारा देश भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ है, अनेकता में एकता ही इसकी अखंड पहचान है जो इसे सम्पूर्ण विश्व के अन्य देशों से अलग बनाती है क्योंकि अन्य देशों में भारत की तरह अलग-अलग मजहब और धर्म को मानने वाले लोग एकजुट होकर इस तरह प्रेम, भाईचारे और सद्भाव से नहीं रहते हैं।
इसलिए भारतीय संस्कृति की मिसाल विश्व भर में दी जाती है। यहां अलग-अलग धर्मों के रहने वाले लोगों के त्योहार, रीति-रिवाज, पहनावा, बोली आदी में काफी विविधता होने के बावजूद भी सभी मजहब के लोग अपने-अपने तरीके से रहते हैं और अपनी परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ अपने त्योहार मनाते हैं।

अनेकता मे एकता ही भारत की पहचान :- भारत में "विविधता मे एकता" इसकी मूल पहचान है और यह भारतीय संस्कृति और परंपरा को सबसे अलग एवं ~~समृद्ध~~ समृद्ध बनाने में मदद करती है। हमारा देश भारत विविधता मे एकता की मिसाल है क्योंकि भारत ही एक ऐसा देश है जो इस अवधारणा को बेहतरीन तरीके से साबित करता है।
सही मायने में अनेकता में एकता ही भारत की अखंड शक्ति और मजबूती है, जो भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाती है और इसकी एक अलग पहचान बनाती है।
भारत में कई अलग-अलग प्रांत हैं, जिसमें

रहने वाले सभी लोगों की भाषा, जाति, धर्म, परंपरा, पहनावा आदि में काफी अंतर है, जो कि (बंगाली, राजस्थानी, मारवाड़ी, पंजाबी, तमिलीयन, महाराष्ट्रीयन) आदि के रूपों में जाने जाते हैं। जो अपने आप को भारतीय कहते हैं और यही भारत में विविधता में एकता को दर्शाता है।

भारत के लोगों की सोच, उनका आचरण, व्यवहार, चरित्र, उनके मानवीय गुण, आपसी प्रेम, संस्कार, कामी आदि भारत की विविधता को एकता को बनाए रखने में मदद करते हैं।

भारत में हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सभी धर्म के लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ रहते हैं और एक-दूसरे के मजहब, धर्म, परंपरा और भाषा का आदर करते हैं, एक-दूसरे को प्यार से अपनाते हैं। यही भारत की सबसे बड़ी विशेषता है, जो कि अपने आप में अद्वितीय और अनूठी है।

विविधता में एकता का महत्व :- देश की आजादी से पहले जब भारत, अंग्रेजों का गुलाम था और अंग्रेजों के अत्याचारों और असहनीय पीड़ा को सह रहा था, इस दौरान सभी भारतीयों के अंदर ~~स्वतंत्र~~ स्वतंत्रता पाने की इच्छा जाग्रत हुई और फिर आजादी पाने के लिए काफी सालों तक संघर्ष की लड़ाई लड़ी।

इस लड़ाई में सभी भारतीयों ने एकता को अपना सबसे बड़ा हथियार मानकर जिस तरह अंग्रेजों

को भारत से खदेड़ कर बाहर फेंका और स्वाधीनता हासिल की, इससे अनेकता में एकता के महत्व का पता लगाया जा सकता है।

अनेकता में एकता बुरी से बुरी परिस्थिति से उबरने में मदद करता है।

> इससे लोगों के अंदर एक-दूसरे के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित होती है और लोग एक दूसरे के ~~करीब~~ करीब आते हैं।

> आपसी रिश्तों और भावनाओं को और अधिक मजबूती मिलती है, इससे जीवन शैली, कार्यकुशलता और उत्पादकता में सुधार आता है और देश के विकास को बल मिलता है।

> "विविधता में एकता" से लोगों को टीम वर्क करने में मदद मिलती है और उनके अंदर आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ता है।

> विविधता में एकता से ही लोगों को एक-दूसरे के साथ प्रेम भाव से रहने में मदद मिलती है और मुश्किलों से लड़ने की हिम्मत मिलती है।

> विविधता में एकता से आपसी रिश्तों में सुधार आता है।

> विविधता में एकता ही भारतीय संस्कृति की अखंडता एवं प्रभुता को बनाए हुए हैं।

• उपसंहार :- जिस तरह बाग में अलग-अलग तरह के सुंदर और आकर्षक फूल होते हैं, लेकिन सभी का काम वातावरण को सुगन्धित करना होता है, उसी तरह भारत में रहने वाले सभी लोग अलग-अलग हैं, लेकिन सभी कि भावना और आत्मा एक है।

इसलिए हम सब एक हैं और यही हमारे देश की असली पहचान है। वहीं हम सभी को इस पहचान को बरकरार रखने में इसकी अखंडता के महत्व को समझना चाहिए और अपना सहयोग करना चाहिए।

||धन्यवाद||